उत्तर प्रदेश ने बिहार पर कसा शिकंजा

रणजी ट्राफी : तुषार की हैटट्रिक, मुम्बई ने चंडीगढ़ को दिया फालोआन, उमेश यादव ने खोला पंजा, रविन्द्र जडेजा का शतक, वाडकर दोहरे शतक से चूके

नालंदा/मुम्बई। रिंकु सिंह और माधव कौशिकके शतक और अन्य बल्लेबाजोंके उपयोगी योगदानके सहारे रणजी ट्राफीके ग्रुप ए के मुकाबले में सोमवारको दूसरे दिन उत्तर प्रदेशने पहली पारी में ५४० रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद दिन का खेल खत्म होने तक बिहार की पहली पारी में ४४ रन पर दो विकेट निकाल अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बिहार की टीम अभी भी ४९६ रन पीछे है और अभी आठ विकेट शेष हैं। तीसरे दिन यूपी की निगाहें बिहार की पारी जल्दी समेट उसे फालोआन के लिए बाध्य करने पर होगी। उत्तर प्रदेश ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी पहले दिन के स्कोर तीन विकेटपर २८७ से आगे बढ़ाई। रिंकू सिंह और माधव कौशिकने पारी आगे बढ़ायी। हालांकि स्टार मध्यक्रमके बल्लेबाज रिंकू सिंह दिन के दूसरे ही ओवरमें आउट हो गये लेकिन पवेलियन लौटनेसे पहले उन्होंने १६८ गेंदों पर तीन गगनचुंबी छक्कों और आठ चौकोंकी मददसे ११२ रनोंकी पारी खेली। वहीं सलामी बल्लेबाज माधव कौशिकने क्रीजपर खूंटा गाड़ते हुए ३२६ गेंदोंपर १५० रनों की मैराथन पारी खेली जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल थे। रिंकू और माधवके पवेलियन लौटने के बाद भी यूपीके बल्लेबाजों का दबदबा कायम रहा। आराध्य यादव और जीशान अंसारीने बिहारके गेंदबाजोंको कोई राहत नहीं दी और शतकीय साझेदारी की। आराध्य यादवने १४७ गेंदों पर सात चौके और दो छक्के लगाते हुए ८४ रन बनाये। जीशान अंसारीने भी ९७ गेंदों पर ५८ रनों (चार चौका, एक छक्का) की शानदार पारी खेली। अंत में ११वें नंबरके बल्लेबाज अभिनंदन सिंह ने आते ही आक्रामक रुख अपनाया और मात्र ३० गेंदों पर चार छक्कों और दो चौकों की बदौलत ४३ रन कूट दिये जिससे उत्तर प्रदेश की टीम ५४० रन का विशाल स्कोर खड़ा करनेमें सफल हो गयी। अमोद यादव ने चार विकेट हासिल किए। स्पिनर सूरज कश्यप ने तीन तथा कप्तान साकिबुल गनी ने दो विकेट चटकाये। यूपी के ५४० रनों के जवाब में बिहार की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मंगल महरौर ४५ गेंदों पर २५ रन (दो चौके) बनाकर कार्तिक त्यागी की गेंद पर अभिषेक गोस्वामी को कैच दे बैठे। तीसरे नंबर पर आये आयुष लोहारुका अपना खाता भी नहीं खोल सके और मात्र तीन गेंद खेलकर कर्ण शर्माकी गेंदपर विकेटकीपर आर्यन जुयालके हाथों कैच आउट हो गये। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक १८ ओवर में बिहार ने दो विकेट पर ४४ रन बनाये है। सलामी बल्लेबाज पीयूष कुमार सिंह ४८ गेंदोंपर १५ रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं और उनका साथ अमोद यादव एक रन दे रहे हैं। दूसरी ओर मुम्बई में तुषार देशपाण्डे के हैटट्रिक सहित पांच विकेट के दमपर मुम्बई ने ग्रुप डी के मुकाबले में दूसरे दिन चंडीगढ़ की पहली पारी को ७८ रन पर समेट दिया। पहला पारीमें ४२९ रनका मजबूत स्कोर खड़ा करने करने वाली मेंजबान टीम ने ३५१ रन की बढ़त हासिल करनेके बाद चंडीगढ़को फालोआन खेलने पर मजबूर कर दिया। मुम्बई ने दिन की शुरुआत पांच विकेट पर २४९ रनसे की और निचले क्रमके बल्लेबाजोंके उपयोगी योगदानकी बदौलत पहली पारी में ४२९ रन बनाये। मुम्बई के लिए सिद्धेश लाड ने ८६, तनुश कोटियान ने ५८, मोहित अवस्थीने ५६ रन और तुषार देशपाण्डेय ने ४४ रन बनाये। इसके जवाबमें चंडीगढ़ की टीम

लड़खड़ा गयी और २९ रन तक उसने अपने छह विकेट गवां दिये। इस लड़खड़हटका नतीजा रहा कि चंडीगढ़ की पहली पारी केवल १९.१ ओवर में ७८ रन पर ढेर हो गयी। तुषार ने सात ओवर में १७ रन देकर पांच विकेट लिए। चंडीगढ़ के लिए निशुंक बिरला ने सबसे ज्यादा ३३ रन बनाये। जबकि अर्जुन आजाद ने २० रन की पारी खेली। ग्रुप बी में पंजाब और असम के बीच मुकाबले में पंजाब के लिए डेब्यू कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव ने पांच विकेट हासिल किए। हालांकि असम ने देनिश दास और सिबशंकर राय के शतक के दम पर ३७३ रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर लिया। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पंजाब की टीम ने बिना कोई विकेट खोए तीन रन बना लिए हैं। दूसरी ओर विदर्भ ने पुडुचेरी के खिलाफ पहली पारीमें ४५८ रन बनाये। एक समय टीम ५४ रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी लेकिन अक्षय वाडकरने पारी संभाल ली। उन्होंने १९८ रन बनाये और अपने पहले प्रथम श्रेणी दोहरे शतक से सिर्फ दो रन दूर रह गये। यश राठौड़ ने १३४ रन की पारी खेली। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए २०५ रन की साझेदारी हुई। पुडुचेरी ने जवाब में दिन का खेल खत्म होने तक ९८ रन पर एक विकेट गंवाया था। सौराष्ट्र ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ पहली पारी में ३९२ रन बनाये। प्रेरक मांकड़ ने १२९ रन की पारी खेली, जबकि रवींद्र जडेजा ने १०२ रन बनाए। मांकड़ और जडेजा के बीच छठे विकेट के लिए २०५ रन की साझेदारी हुई। चिराग जानी ने भी ८३ रन बनाये। जवाब में छत्तीसगढ़ ने दिन का खेल समाप्त होने तक १२२ रन पर तीन विकेट गंवा दिए। कल्याणी में बंगाल ने दिल्ली के २४० रन के जवाब में मजबूत शुरुआत की। सुदीप कुमार घरामी और अभिषेक पोरेल ने शतक लगाये और चौथे विकेट के लिए नाबाद १९९ रन की साझेदारी की जिससे दिन का खेल समाप्त होने तक बंगाल ने तीन विकेट पर ३०४ रन बना लिए थे और ६४ रन की बढ़त हासिल कर ली थी। १९वां जन्मदिन मनाने के दो दिन बाद एसवी राहुल ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू करते हुए शतक लगाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज राहुल ने विकेटकीपर रेवंत रेड्डी के साथ मिलकर आंध्र की पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने तक आंध्र ने कर्नाटक के खिलाफ बढ़त हासिल कर ली थी। रेवंत रेड्डी ९७ रन बनाकर आउट हुए। छठे विकेट के लिए उनके और राहुल के बीच १३६ रन की साझेदारी हुई। मध्य प्रदेश के आवेश खानने डिफेंडिंग चैंपियन जम्मू-कश्मीर के खिलाफ तीन विकेट लेकर टीम की गेंदबाजीकी अगुआई की। जम्मू-कश्मीर की पहली पारी १२० रन पर सिमट गयी और मध्य प्रदेशको ७६ रन की बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारीमें मध्य प्रदेश ने ५९ रन पर चार विकेट गंवा दिए।

रणजी ट्राफीके साथ मत करो खिलवाड़

गावसकर ने इण्डिया ए के शेड्यूल पर उठाये सवाल

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने रणजी ट्राफी के मौजूदा प्रारूप और घरेलू क्रिकेट के कार्यक्रम पर सवाल उठाये हैं। उनका मानना है कि इंडिया-ए के मुकाबले रणजी ट्राफी के दौरान नहीं होने चाहिए क्योंकि इससे राज्य की टीमों को अपने प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलना पड़ता है। इसके साथ ही उन्होंने प्लेट ग्रुप में बनने वाले रेकार्ड की अहमियत पर भी सवाल खड़े किए है। रणजी ट्राफी का नया सीजन रविवार से शुरू हुआ लेकिन उसी दिन इंडिया-ए और आस्ट्रेलिया-ए के बीच तीन मैचों की अनआफिशियल एकदिनी शृंखला का आखिरी मुकाबला भी खेला गया। इसके कारण रजत पाटीदार, देवदत्त पडिक्कल और ऋतुराज गायकवाड़ अपनी राज्य टीमों के लिए उपलब्ध नहीं थे। पाटीदार मध्य प्रदेश, पडिक्कल कर्नाटक और गायकवाड़ महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस महीने के आखिर में इंडिया-ए को टीम न्यूजीलैण्ड दौरे पर तीन अनौपचारिक टेस्ट मैच भी खेलेगी। इससे रणजी ट्राफी में कुछ खिलाड़ियों की उपलब्धता पर फिर असर पड़ सकता है। गावसकर ने आयोजकों से घरेलू क्रिकेट का कैलेंडर तैयार करते समय इस टकराव से बचने की अपील की है। सुनील गावसकर ने कहा कि इंडिया-ए के मैच अन्तरराष्ट्रीय स्तर के लिए खिलाड़ियों को परखने का अच्छा माध्यम हैं। हालांकि उन्होंने जोर दिया कि इन मुकाबलों के लिए रणजी ट्राफी को अनदेखी नहीं होनी चाहिए। गावसकर के मुताबिक रणजी ट्राफी में सबसे ज्यादा रन बनाने या विकेट लेने वाले कुछ खिलाड़ी भारतीय टीम में जगह मिलने के बाद अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी छाप छोड़ने के लिए संघर्ष करते हैं। कुछ खिलाड़ी जल्द ही टीम से बाहर हो जाते हैं, जबकि कुछ लंबे समय तक मौके का इंतजार करते रहते हैं। उन्होंने इसकी एक वजह

घरेलू क्रिकेट में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सीमित भागीदारी को बताया। जब मजबूत खिलाड़ी रणजी ट्राफी में नहीं उतरते तो कुछ मुकाबलें में प्रतिस्पर्धा का स्तर प्रभावित हो सकता है ऐसे में व्यक्तिगत आंकड़ों से किसी खिलाड़ी की वास्तविक क्षमता का पूरा अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। गावसकर ने इसी संदर्भ में कहा कि कमजोर प्रतिस्पर्धा के बीच किसी बल्लेबाज का एक सीजन में २००० रन बनाना या गेंदबाज का १०० विकेट हासिल करना भी संभव हो सकता है। उनका तर्क है कि रेकार्ड के साथ यह देखना भी जरूरी है कि खिलाड़ी ने किस स्तर की टीमों के खिलाफ प्रदर्शन किया। सुनील गावसकर ने रणजी ट्राफी के प्लेट ग्रुप में टूटने-बनने वाले रेकार्ड पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टूर्नामेंट में शामिल करने के फैसले से प्रतियोगिता का स्तर प्रभावित हुआ है। उनके अनुसार कई नई राज्य टीमों के पास पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं नहीं थी। इन टीमों ने दूसरे राज्यों के उन खिलाड़ियों को मौका दिया, जिन्हें अपनी घरेलू टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। ये खिलाड़ी प्रतिभाशाली थे, लेकिन जब प्लेट ग्रुप की टीमों का सामना एलीट डिवीजन की मजबूत टीमों से हुआ तो दोनों स्तरों के बीच बड़ा अंतर दिखाई दिया। गावसकर के मुताबिक जब दोनों डिवीजनों के बीच प्रतिस्पर्धा का स्तर अलग है, तो वहां बने रेकार्ड को समान पैमाने पर कैसे देखा जा सकता है। उनके मुताबिक प्लेट ग्रुप के आंकड़ों को भी रणजी ट्राफी के रेकार्ड के रूप में दर्ज किया जाता है जबकि उनके पीछे की प्रतिस्पर्धा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

नहीं मैं अच्छा गेंदबाज नहीं हूं

भारतीय टीम में चयन न होने पर छलका शमी का दर्द

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने घरेलू क्रिकेट में अपनी धारदार गेंदबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि उनमें विकेट लेने की क्षमता अब भी बरकरार है। रणजी ट्राफी २०२६-२७ में बंगाल की ओर से शुरुआती मुकाबले में खेलते हुए शमी ने दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में चार विकेट झटके। हालांकि शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में वापसी का मौका नहीं मिलने पर उनके जवाब में निराशा और तंज दोनों नजर आये। कल्याणी में खेले जा रहे मुकाबले के पहले दिन मोहम्मद शमी ने १७.३ ओवर की गेंदबाजी की, इस दौरान उन्होंने नौ मेडन ओवर भी डाले। उनके प्रदर्शन ने दिखाया कि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार मेहनत कर रहे हैं और अपनी गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ने में अब भी सक्षम हैं पहले दिन के खेल की समाप्ति के बाद जब मोहम्मद शमी से उनकी फिटनेस के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने अपने अंदाज में जवाब दिया। शमी ने कहा कहा आप मेरी फिटनेस देख सकते हैं, लिख दीजिए आप मुझे देख रहे हैं, मेरे कहने से क्या होग। मैं मैदान पर हूं, खेल रहा हूं और जहां भी मौका मिल रहा है वहां खेल रहा हूं। जब उनसे पूछा गया कि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें भारतीय टीम में मौका क्यों नहीं मिल रहा तो मोहम्मद शमी ने कहा नहीं, नहीं, मैं अच्छा गेंदबाज नहीं हूं। उनके इस जवाब से भारतीय टीम में चयन को लेकर उनकी निराशा का अंदाजा लगाया जा सकता है। मोहम्मद शमी ने एक ओर अपने चयन को लेकर निराशा जाहिर की वहीं दूसरी ओर भुवनेश्वर कुमार की टी-२० टीम में वापसी का स्वागत किया। ३६ वर्षीय भुवनेश्वर को न्यूजीलैण्ड के खिलाफ आगामी टी-२० श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। शमी ने कहा भुवी को काफी पहले चुन लिया जाना चाहिए था। वह किसी से ज्यादा बात नहीं करते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उनकी प्रतिभा को लंबे समय तक रोका जाए. यह उनके लिए अच्छा है। उन्होंने आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसके हकदार हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी मेहनत कर रहा है और उसमें क्षमता है तो उसे आगे बढ़ने का मौका जरूर मिलना चाहिए।

अहमदाबाद नहीं दिल्ली में ही होगा मैच-सैकिया

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि भारत और श्रीलंका के बीच आगामी तीन मैचों की एकदिनी श्रृंखला का पहला मुकाबला दिल्ली से अहमदाबाद शिफ्ट किया जा सकता है। सैकिया ने स्पष्ट किया कि १३ दिसंबर को होने वाले पहले एकदिनी की मेजबानी दिल्ली को तय नीति के तहत दी गयी है और वेन्यू में बदलाव का कोई फैसला नहीं लिया गया है। सैकिया ने कहा भारत और श्रीलंका के बीच दिल्ली में होने वाले एकदिनी मैच को अहमदाबाद शिफ्ट किए जाने की खबरें सही नहीं हैं। बीसीसीआई ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। उन्होंने कहा यह फिर से दोहराना जरूरी है कि द्विपक्षीय मैचों का आवंटन मुख्य रूप से एक तय नीति के तहत किया जाता है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्यके कारण पहला मुकाबला अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया गया है।

कोहली ने चयन समिति के चलते लिया टेस्ट से संन्यास

-वसीम जाफर

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के लिए अजीत अगरकर की चयन समिति को जिम्मेदार ठहराया है। जाफर ने कहा कि कोहली चयन पैनल के व्यवहार से नाराज थे। उन्होंने यह भी कहा कि कोहली इंगलैण्ड दौरे की तैयारी कर रहे थे और अधिक टेस्ट खेल सकते थे। भारत के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने पिछले साल एक हफ्ते के भीतर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। इसके बाद भारतीय टीम को इंगलैण्ड के पांच टेस्ट की श्रृंखला के लिए जाना था। जाफर ने अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति पर कोहली के साथ गलत व्यवहार करने का आरोप लगाया।

जाफर ने कहा ऐसा लगा कि विराट के साथ जिस तरह व्यवहार किया गया, उससे वह थोड़े नाराज थे। उन्होंने कहा विराट जैसा खिलाड़ी दर्शकों को मैदान तक लाता है। उनके बहुत ज्यादा फालोअर्स हैं। वे निश्चित तौर पर और टेस्ट क्रिकेट खेल सकते थे। जब तक हम विराट के मुंह से नहीं सुनेंगे तब तक पता नहीं चलेगा। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कोहली के रिटायरमेंट पर कहा था कोहली लगातार सार्वजनिक टीका-टिप्पणी से मानसिक रूप से थक चुके थे। कोहली १२५ टेस्ट मैच पूरे करने से सिर्फ दो मैच दूर थे। ऐसा करने पर वह टेस्ट मैचों की संख्या के मामले में महान सुनील गावसकर की बराबरी कर लेते। कोहली टेस्ट में १० हजार रन पूरे करने से भी केवल ७७० रन दूर थे। यह उपलब्धि हासिल करने पर वह गावसकर, सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बाद ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बन जाते। कोहली ने २०२५ की शुरुआत में आस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के लिए अपनी आखिरी टेस्ट श्रृंखला खेली थी। उन्होंने उस श्रृंखला के पांच टेस्ट मैचों में २३.७५ की औसत से सिर्फ १९० रन बनाये थे।

हरमनजोत डोपिंग में फंसे

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। एशियाई क्रास कंट्री चैम्पियनशिप में इस वर्ष रजत पदक जीतने वाले और टीसीएस वर्ल्ड बंगलूरू १० किलोमीटर रेस में भारतीय वर्ग के विजेता लंबी दूरी के धावक हरमनजोत सिंह डोप में फंस गये हैं। नाडा की ओर से लिए गये उनके सैंपल में स्टेरायड मिटेंडिनान पाया गया है। उन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। वह अब १८ अक्तूबर को होने वाली वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में शिरकत नहीं कर पायेंगे। उन्हें इस प्रतिष्ठित हाफ मैराथन में भारतीय वर्ग के विजेता का दावेदार माना जा रहा था। नाडा ने पंजाब के हरमनजोत का आउट आफ कंपटीशन सैंपल ऊटी में १२ अगस्त को एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए लगे शिविर में लिया था। उनकी डोप पाजिटिव रिपोर्ट इसी सप्ताह आई है।

हैण्डबाल : महादेव पीजी कालेज ने जीता खिताब

वाराणसी। महादेव पीजी कालेजने यहां बड़ालालपुर स्थित जीवनदीप महाविद्यालयमें हो रही अन्तर महाविद्यालयीय हैण्डबाल प्रतियोगितामें सीएट कालेजको १८-८ से पराजित कर महिला वर्गका खिताब जीत लिया। इससे पूर्व खेले गये मुकाबलेमें सीएट कालेजने काशी विद्यापीठको १५-१२ से, काशी विद्यापीठने जीवनदीपको १२-८ से और महादेव पीजी कालेजने एकतरफा मुकाबलेमें पण्डित दीनदयाल पलहीपट्टीको २३-१ से पराजित किया। उधर सीएट पीजी कालेजने मेजबान जीवनदीपको ११-५ से हराया। पहले सेमीफाइनलमें महादेव पीजी कालेजने डॉक्टर घनश्याम सिंह पीजी कालेजको १५-३ से पराजित किया। पुरुष वर्गका फाइनल मंगलवारको खेला जायेगा। मैचके पश्चात मेजबान विद्यालयके वाइस चेयरमैन डॉक्टर अंशू सिंहने विजेता-उपविजेता टीम और कोचको पुरस्कृत किया।

समीक्षा बैठक अब १५ को

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। खेल मंत्रालय की हाल में संपन्न एशियाई खेलों में भारत के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के साथ होने वाली एकदिवसीय बैठक को दो दिन के लिए टाल दिया गया है और अब यह १५ अक्तूबर को होगी। यह बैठक पहले १३ अक्तूबर को प्रस्तावित थी लेकिन बैठक की अध्यक्षता करने वाले खेल मंत्री मनसुख मांडविया फिलहाल ब्रिक्स पारंपरिक और स्वदेशी खेल प्रदर्शन प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अहमदाबाद में मौजूद हैं। इस बैठक में विचार-विमर्श का मुख्य केंद्र विशेष रूप से बैडमिण्टन, निशानेबाजी और अथलेटिक्स में अनुभवी खिलाड़ियों का अपेक्षा से कमजोर प्रदर्शन रहने वाला है। भारत ने चार अक्तूबर को संन्न आइची-नागोया खेलों में २१ स्वर्ण सहित कुल ८५ पदक जीते। यह हांगझोउ में पिछले सत्र में हासिल किए गये १०६ पदकों के रेकार्ड से काफी कम है। आइची-नागोया खेलों में भारत के २१ स्वर्ण पदकों में से ११ आखिरी दो दिन में आये।

अभिषेक सुपर पावर ओपनर, दुनिया खाती है खौफ

-दिनेश कार्तिक

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने स्टार भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर तारीफ की है। वेस्टइण्डीज के खिलाफ इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-२० मुकाबले में अभिषेक ने महज ३० गेंदों में ६९ रनों की आतिशी पारी खेली। इस पारी के दौरान उन्होंने टी-२० अंतरराष्ट्रीय में गेंदों के लिहाज से सबसे तेज २००० रन पूरे करने का ऐतिहासिक कीर्तिमान भी रचा। दिनेश कार्तिक ने अभिषेक शर्मा की निरंतरता, विस्फोटक बल्लेबाजी और दिग्गज युवराज सिंह के मार्गदर्शन में उनके निखार पर कहा कि अभिषेक शर्मा अब विश्व क्रिकेट में एक ऐसे ओपनर के रूप में उभरे हैं जिनसे विपक्षी गेंदबाज और टीमें डरने लगी हैं। कार्तिक ने कहा अभिषेक शर्मा को एक ऐसे दिग्गज (युवराज सिंह) का मार्गदर्शन मिल रहा है, जिन्होंने सालों तक दिखाया है कि क्रीज पर पावर-हिटिंग के साथ-साथ कितना कुशल हुआ जा सकता है। अभिषेक सर्वश्रेष्ठ से सीख रहे हैं और वह अपनी पारी को गति देना बहुत अच्छी तरह सीख गये हैं। उन्हें पता है कि पावरप्ले का इस्तेमाल कैसे करना है और उन्होंने लगातार बाउंड्री हासिल करने का अपना एक तरीका ढूंढ़ लिया है। कार्तिक ने कहा अब जब अभिषेक शर्मा जैसा खिलाड़ी मैदान पर उतरता है तो विरोधी टीम में उनका खौफ होता है। विरोधी टीमें जानती हैं कि उन्हें अभिषेक का विकेट हर हाल में जल्दी चाहिए, वरना वह मैच छीन लेंगे। जिस तरह से वह एक विश्वस्तरीय सुपरपावर ओपनर के रूप में उभरे हैं, उसे देखना वाकई आनंददायक है। कार्तिकने इस बातपर जोर दिया कि टी-२० क्रिकेटमें आक्रामक रवैयेके साथ हर दो या तीन मैचमें बड़े रन बनाना सबसे

मुश्किल काम होता है लेकिन अभिषेक इसे आसानीसे कर रहे हैं। कार्तिकने कहा अभिषेककी खूबी यह है कि वह बड़ी टीमों और बड़े मुकाबलोंमें लगातार रन बना रहे हैं। टी-२० खिलाड़ियोंके लिए सबसे कठिन काम यही होता है कि आप हर दिन आक्रामक रवैया कैसे अपनाएं, रिस्क लें और फिर भी लगातार रन बनायें। अभिषेक यह काम बार-बार कर रहे हैं, इसी वजहसे उन्हें दुनियाके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियोंमें गिना जाता है।

सिंधू का पहले ही मैचमें विश्व नम्बर एक से सामना

डेनमार्क ओपन

ओडेंस (एजेन्सियां)। भारत की स्टार बैडमिण्टन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्रा मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-एक खिलाड़ी और मौजूदा चैम्पियन एन से-यंग से होगा। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता सिंधु एन के खिलाफ पिछले १० मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, पुरुष एकल में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चेन की चुनौती होगी। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर ७५० का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को २१-१७, २१-१७ से हराया। यह मुकाबला करीब ५० मिनट तक चला था। एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फार्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले दो साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार आल इंगलैण्ड चैम्पियनशिप के उपविजेता रहे। २०२२ में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। २०२४ में ओलम्पिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष एकल खिलाड़ी हैं। वे पीठ की चोट से परेशान रहे हैं। आयुष शेट्टी अपने शानदार प्रदर्शनको आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने २०२५ में यूएस ओपन सुपर ३०० का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैम्पियनशिपमें आयुषने तत्कालीन दुनियाके नंबर-वन खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुर्खियां बटोरी थीं। उनका सामना इंडोनेशियाके अल्वी फरहान से होगा। किदांबी श्रीकांतका मुकाबला फ्रांस के अर्नौड मर्कल से होगा। भारत की महिला एकल चुनौतीमें तान्वी शर्मा, अस्मिता चालिहा, देविका सिहाग और उन्नति हूडा भी शामिल हैं। तान्वी का पहले दौर में जापानकी नात्सुकी निदाइरा से मुकाबला होगा। अस्मिता का सामना बुल्गारिया की कलोयाना नलबांतवा से होगा। देविका के सामने थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग होंगी। उन्नति चीन की हान चियान शी के खिलाफ खेलेंगी।

अजय ने जीता कांस्य

वाराणसी। बनारस रेल इंजन कारखानाके अजय कुमार बिन्दने नयी दिल्लीके जवाहर लाल नेहरू स्टेडियममें हुई राष्ट्रीय ओपन चैम्पियनशिपमें शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषोंकी पांच हजार मीटर दौड़में कांस्य पदक हासिल किया। टेक्निशियन (फिटर)के पदपर कार्यरत अजयने यह दूरी १४ मिनट ०३.८६ सेकेण्डमें पूरी की। अजयकी इस उपलब्धिपर बरेका अधिकारियों और कर्मचारियोंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगे भी उनसे पदकोंकी उम्मीद जतायी।

वाराणसी की बालिकाओं ने जीता दो वर्गों का खिताब

रग्वी लीग

वाराणसी। वाराणसीकी बालिकाओंने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊके इंट्रीगल यूनिवर्सिटीमें हुई खेलो इंडिया प्रादेशिक अस्मिता महिला रग्वी लीगमें अण्डर-१२ और अण्डर-१५ आयु वर्गका खिताब जीत लिया। अण्डर-१२ में वाराणसीका प्रतिनिधित्व कर रही विकास इण्टर कालेजकी बालिकाओंने लखनऊकी आम्रपालीको १०-५ से पराजित कर खिताब अपनी झोलीमें डाला। विजेता टीमके लिए कप्तान रोशनी राजभर, खुशी पटेल, तान्या पटेल, दीपा यादव, दृष्टि यादव, सृष्टि पाल, आकांक्षा राजभर और वैष्णवीने कोच असीम यादवकी देखरेखमें बेहतरीन खेलका प्रदर्शन किया। वहीं विकास इण्टर कालेजकी बालिकाओंसे सुसज्जित वाराणसीकी टीमने अण्डर-१५ में भी लखनऊकी एलपीसी टीमको १५-१० से पराजित कर चैम्पियन होनेका गौरव हासिल किया। वाराणसीके लिए कप्तान काजल यादव, सृष्टि, रिया राजभर, श्रेया पाल, दीक्षा यादव, साक्षी राय, छवि गुप्त और प्रियांशी सिंहने कोच अवनीश पालके कुशल निर्देशनमें यह उपलब्धि हासिल की।

क्रिकेट : हर्ष ने कराया स्टेडियम इलेवनको हर्ष

वाराणसी। हर्ष यादव (४९ रन, दो विकेट) के हरफनमौला खेलके दमपर स्टेडियम इलेवनने यहां आर्य विद्या सभा काशी औसानगंजके खेल मैदानपर सोमवारको खेले गये अंडर-१९ जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगितामें ओलम्पियन विवेक सिंह क्रिकेट क्लबको चार विकेटसे पराजित कर दिया। विवेक सिंह क्रिकेट क्लबमें पहले खेलते हुए ३२.३ ओवरमें सभी विकेट खोकर १६८ रन बनाये। विशाल यादवने ३९, आयुष सिंहने ३३, कप्तान रोहित सिंहने २८ रनोंका योगदान दिया। दीपक यादवने तीन तथा हर्ष यादव और अनिकेत कुमारने दो-दो विकेट चटकाये। जवाबमें स्टेडियम इलेवनने २१.५ ओवरमें ही छह विकेट खोकर १७० रन बना लिये। हर्षके अलावा वंश जायसवालने ३८, आनन्द विजय सिंहने ३५, विकास यादवने ३५ रन बनाये। विवेक सिंहने चार विकेट चटकाये।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026

मेष-	आज रात्रि 7/13 बजे तक अनुकूलता तदुपरान्त स्पष्टवादिता घातक, इच्छापूर्ति में बाधा।
वृषभ-	व्यवसायिक लाभ, सलाह से कामयाबी, जनसम्पर्क लाभदायी, उत्साह में वृद्धि, हर्ष भी।
मिथुन-	सफलता का सुयोग, धन प्राप्ति, संबंधों में प्रगाढ़ता, धार्मिक रुचि, दूर-समीप की यात्रा।
कर्क-	आज रात्रि 7/13 बजे तक उलझनें, मानसिक तनाव तदनन्तर व्यवसायिक सफलता, यात्रा भी।
सिंह-	आज रात्रि 7/13 बजे तक लाभ का सुयोग, मित्रों का सहयोग तत्पश्चात् परेशानी, आय में कमी।
कन्या-	आर्थिक पक्ष बेहतर, दायित्व की पूर्ति, कार्य प्रगति पर, समस्याएं हल, तनाव से मुक्ति।
तुला-	वातावरण मनोनुकुल, कार्यों में प्रगति, निर्णय लाभप्रद, पठन-पाठन में रुचि, हर्ष भी।
वृश्चिक-	आज रात्रि 7/13 बजे तक नव समस्याएँ प्रभावी, आर्थिक हानि, शत्रु प्रभावी तद्नन्तर प्रगति।
धनु-	आज रात्रि 7/13 बजे तक ग्रहयोग अनुकूल, योजना साकार, तदुपरान्त आय में कमी, मन उदास।
मकर-	योजना साकार, नौकरी में सफलता, मनोविनोद के अवसर, अतिथि का आगमन।
कुम्भ-	आंशिक सफलता, पारिवारिक मतभेद उजागर, आय में कमी, वाद-विवाद, हानि संभव।
मीन-	आज रात्रि 7/13 बजे तक धन हानि, तत्पश्चात् मानसिक शान्ति, पारिवारिक खुशी, हर्ष भी।

आज है जिनका जन्मदिन 13 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 13 का मूलांक 4 का स्वामी ग्रह राहु एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। जीवन संघर्षों व कठिनाईयों से भरा रहेगा। लेकिन छोटी-छोटी समस्याओं का महत्व नहीं देंगे। में प्रदर्शन की भावना अधिक रहेगी। प्रगति हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे बहुत जल्दी उतावले हो जायेंगे। जिससे कभी नुकसान भी संभव है। कभी-कभी ही महत्व को नहीं समझ पायेंगे। मनोरंजन व मौजमस्ती के निमित्त अधिक व्यय करेंगे। में स्वार्थ की भावना विशेष रूप से विद्यमान रहेगा। में निर्णय क्षमता का अभाव रहेगा। दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा। जनकल्याण के कार्यों में अधिक रूचि लेंगे। बाहरी आडम्बर व तड़क-भड़क अधिक पसन्द करेंगे। आपके विचार उग्र होंगे। सावधानी बरतें। इष्ट देवी-देवता की पूजा एवं अर्चना नियमित रूप से करें। दैनिक जीवन में चित्र-विचित्र चमकीले रंगों का इस्तेमाल ज्यादा करें। शनिवार के दिनकाले रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का दान भी करें। हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें। परोपकारी बनें। सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ रां राहुवें नमः	मास	: फरवरी, अक्टूबर एवं अक्टूबर
व्रत	: शनिवार	वर्ष	: 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: काला, भूरा एवं स्लेटी
दिनांक	: 4, 13, 22, 31	जन्मरत्न	: गोमेद उपरत्न : काला अकीक
अंक	: 1, 2, 7	जड़ी	: सफेद चन्दन की जड़ दिशा : आग्नेय

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—21 मार्च से 28 अक्टूबर, 10 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

13	8	15
14	12	10
9	16	11

सुडोकू ४०८२

							4	7
						2		3
	5				9			
					8	4		
2		3						
7								
			3	5		1		
			7					
	8						5	

कैसे खेलने का : [illegible]

हल ४०८१ सुडोकू

7	1	6	9	8	4	5	2	3
8	5	4	1	3	2	6	9	7
2	9	3	6	5	7	1	8	4
5	6	8	7	1	3	2	4	9
1	3	7	4	2	9	8	6	5
4	2	9	5	6	8	7	3	1
9	7	2	8	4	1	3	5	6
6	8	1	3	9	5	4	7	2
3	4	5	2	7	6	9	1	8